

प्रेषक,

कवीन्द्र सिंह,
संयुक्त सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,
पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन ऑफ उत्तराखण्ड लि०,
देहरादून।

संख्या:

आयोजनागत
/I(2)/2017-07/03/2012

ऊर्जा अनुभाग-2,

विषय:-

महोदय,

देहरादून: दिनांक: २/ मार्च, 2017
ए०डी०बी० वित्त पोषित परियोजना हेतु ऋण के रूप में धनराशि की स्वीकृति।

- उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 1937/प्र०नि०/पिटकुल/ए०डी०बी० दिनांक 28.11.2016 एवं 1939/प्र०नि०/पिटकुल/ए०डी०बी० दिनांक 28.11.2016 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि ए०डी०बी० पी०एफ०आर०-03 परियोजनान्तर्गत निर्माणाधीन 400 के०वी० उपसंस्थान श्रीनगर हेतु रू० 3.87 करोड (रू० तीन करोड सत्तासी लाख मात्र) एवं ए०डी०बी० पी०एम०ओ० के कार्यालय व्यय हेतु रू० 29,42,556 (रू० उन्नतीस लाख ब्यालीस हजार पाँच सौ छप्पन मात्र) अर्थात् कुल 416.43 लाख (चार करोड सोलह लाख तैतालीस हजार मात्र) की धनराशि ऋण के रूप में व्यय हेतु निम्न प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-
- 1- उक्त स्वीकृत धनराशि का आहरण वास्तविक आवश्यकतानुसार किशतों में बिलों पर जिलाधिकारी के प्रतिहस्ताक्षर के उपरान्त ही किया जायेगा।
 - 2- स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय उक्त कार्य पर ही किया जायेगा। किसी भी स्थिति में इस धनराशि का अन्यत्र विचलन न किया जाय, साथ ही स्वीकृति के सापेक्ष कोई धनराशि किसी भी कारण से बचती है तो उसे तत्काल शासन को समर्पित किया जायेगा।
 - 3- स्वीकृत की जा रही धनराशि से सम्पादित कराये जाने वाले कार्यों के विस्तृत प्राक्कलन तैयार कर सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं तकनीकी स्वीकृति प्राप्त कर ली जाय। तदोपरान्त ही धनराशि का व्यय किया जायेगा।
 - 4- उक्त धनराशि का दिनांक 31.03.2017 तक व्यय करके उपभोग प्रमाण पत्र एवं भौतिक एवं वित्तीय प्रगति का विवरण शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।
 - 5- स्वीकृत की जा रही धनराशि के सापेक्ष सम्बन्धित कार्यों को सम्पन्न करने तथा भुगतान करने हेतु सभी वित्तीय नियमों की परिपालना सुनिश्चित की जायेगी।
 - 6- व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 विषयक नियम एवं मितव्ययता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों का पालन करते हुये व्यय किया जायेगा।
 - 7- अवमुक्त की जा रही धनराशि के प्रतिपूर्ति दावे सक्षम स्तर के माध्यम से ए०डी०बी० को प्रस्तुत कर धनराशि की समय से प्रतिपूर्ति कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
 - 8- ए०डी०बी० से ऋण की किशतों का आहरण निर्धारित समय सारिणी के अनुसार समय से कर लिया जायेगा तथा योजनाओं का क्रियान्वयन भी निर्धारित समय में पूर्ण किया जायेगा अब तक राज्य सरकार से ऋण के रूप में आवंटित धनराशि के सापेक्ष ए०डी०बी०/भारत सरकार से प्रतिपूर्ति शीघ्र कराई जाए एवं प्राप्त

प्रतिपूर्ति सहित लम्बित धनराशि की सूचना शासन को उपलब्ध कराई जाय। साथ ही ऋण तथा राज्यांश की धनराशि अनुपातिक आधार पर ही आगे अवमुक्त कराई जाय।

9- योजना हेतु पूर्व में अवमुक्त धनराशि, अन्य स्रोतों से प्राप्त धनराशि व वर्तमान में आवंटित की जा रही धनराशि योजना हेतु कुल स्वीकृत लागत के अन्तर्गत ही रहेगी।

10- ऋण के रूप में दी जा रही धनराशि के मूलधन एवं ब्याज की वापसी ए0डी0बी0 एवं भारत सरकार द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का अनुपालन करते हुये निर्धारित समय सारिणी में किया जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 1120 /XXVII(2)/2017, दिनांक 18 मार्च, 2017 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक- यथोक्त।

भवदीय,

(कवीन्द्र सिंह)
संयुक्त सचिव।

संख्या: 134-I(2)/2017-07/03/2012, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- महालेखाकार, ओबाराय बिलडिंग सहारनपुर रोड देहरादून उत्तराखण्ड।

2- महालेखाकार, (आडिट) इन्द्रानगर देहरादून।

3- जिलाधिकारी देहरादून।

4- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड, 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।

5- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।

6- चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एम0ओ0 (ए0डी0बी0)।

7- वित्त अनुभाग-2 उत्तराखण्ड शासन।

8- एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर देहरादून।

9- गार्ड फाईल हेतु।

संलग्नक- यथोक्त।

आज्ञा से,

(कवीन्द्र सिंह)
संयुक्त सचिव।

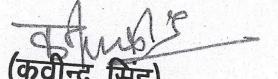
शासनादेश संख्या: 134/I(2)/2017-07/03/2012, दिनांक 2/ मार्च, 2017 का संलग्नक 'क'

विषय:-

ए0डी0बी0 वित्त पोषित परियोजना हेतु धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

क्र० सं०	अनुदान संख्या	लेखाशीर्षक	(धनराशि लाख में) अवमुक्त की जा रही धनराशि
1	2	3	4
1	21	6801- बिजली परियोजनाओं के लिए कर्ज -05- पारेषण एवं वितरण -190-सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य उपक्रमों में निवेश -97- वाह्य सहायतित योजना -01- पारेषण योजनाओं हेतु वाह्य सहायता (ए0डी0बी0) -30- निवेश/ऋण	324.82
2	30	6801- बिजली परियोजनाओं के लिए कर्ज -05- पारेषण एवं वितरण -190-सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य उपक्रमों में निवेश -97- वाह्य सहायतित योजना -01- पारेषण योजनाओं हेतु वाह्य सहायता (ए0डी0बी0) -30- निवेश/ऋण	79.12
3	31	6801- बिजली परियोजनाओं के लिए कर्ज -05- पारेषण एवं वितरण -796-जनजाति क्षेत्र उपयोग -97- वाह्य सहायतित योजनाओं -01- पारेषण योजनाओं हेतु वाह्य सहायतित ऋण -30- निवेश/ऋण	12.49
योग :-			416.43

कुल रू0 416.43 लाख (रू0 चार करोड सोलह लाख तैतालीस हजार मात्र)


(कवीन्द्र सिंह)
संयुक्त सचिव।